

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

## भाग-I (षडबल)

1. निम्न जन्मांग में ग्रहों के उच्च बल की गणना करें :-  
लग्न - कन्या 28:51, सूर्य - मेष 11:40, चन्द्र - मकर 09:06  
मंगल - मकर 27:33, बुध - मीन 18:33, गुरु - मकर 16:43  
शुक्र - मेष 15:44, शनि - वृषभ 24:33, राहु - धनु 16:23  
केतु - मिथुन 16:23 (25.4.1973, 18:00, मुम्बई)
2. उपरोक्त कुण्डली के लिए भाव दिग्बल की गणना करें। सभी भाव मध्य 18 अंश पर समझें।
3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-  
क) होरा बल ख) नैसर्गिक बल
4. रिक्त स्थान भरें :-  
i) गुरु ग्रह का दिग्बल यदि वह सप्तम भाव मध्य पर है तो ----- होगा।  
ii) यदि चतुर्थ भाव मध्य मकर के दूसरे भाग में है तो चतुर्थ भाव को दिग्बल ----- प्राप्त होगा।  
iii) एक जन्मांग में मंगल ग्रह को 60 श. का होरा बल प्राप्त हुआ है तो जन्म गुरुवार को सूर्योदय से ----- होराओं में हो सकता है।  
iv) ----- ग्रह को सदा दुगना पक्षबल मिलता है।  
v) सूर्य धनु में 9:30° पर है तो उसे ----- द्वेष्कोण बल प्राप्त होगा।  
vi) यदि बुध शीघ्रोच्च स्थान पर है तो उसे ----- चेष्टाबल प्राप्त होगा।  
vii) मंगल ग्रह मकर में 9:22° पर है तो उसे ----- युग्म युग्म बल मिलेगा।  
viii) बुध ग्रह को कम से कम ----- शष्टियांश का बल बलों होने के लिए चाहिए।  
ix) सूर्य ग्रह को 0° क्रांति पर ----- शष्टियांश का अयन बल मिलेगा।  
x) दृष्ट ग्रह दृष्टि डालने वाले ग्रह से 301° पर है तो ----- द्विक बल मिलेगा।
5. षडबल क्या है? फलादेश में षडबल का क्या उपयोग है?

## भाग-II (भाव निर्णय)

6. निम्न घटनाओं को जन्मांग में किस प्रकार देखेंगे। (कोई चार)  
i) दुर्घटना iv) विदेश निवास  
ii) अर्थ हानि v) असुखद विवाह  
iii) संतान से मन मुटाव
7. व्यवसाय सम्बन्धी विषय जन्मांग में कैसे देखे जाते हैं? इस जन्मांग का अध्ययन कर व्यवसाय सम्बन्धी फलादेश करें। (वर्ग कुण्डली का प्रयोग भी करें)।  
लग्न-कन्या 28:22, सूर्य-वृषभ 7:44, चन्द्र-मकर 24:45  
मंगल-सिंह 20:56, बुध-मेष 16:58, गुरु-वृषभ 13:27, शुक्र-वृषभ 18:19  
शनि-कुम्भ 22:45, राहु-वृषभ 20:30  
(22.5.1965, पुरुष 16:00, गाजियाबाद, उ.प्र.)
8. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
i) भाव विवेचन में लग्न व लग्नेश का महत्त्व  
ii) भाव विवेचन में स्थिर कारक का प्रयोग  
iii) भाव कुण्डली का महत्त्व
9. क) निम्न जातक की विवाह संभावना पर विचार करें :-  
लग्न-धनु 25:55, सूर्य-कर्क 13:14, चन्द्र-मेष 24:12, मंगल-तुला 11:52, बुध-मिथुन 23:41, गुरु-कर्क 20:05, शुक्र-सिंह 19:00, शनि (व) मीन 19:01, राहु - मेष 18:35  
(महिला 30.7.1967, 17:45, जबलपुर, दशांश शुक्र 3-9-2)  
ख) उपरोक्त कुण्डली में गजकेसरी योग के प्रभाव पर चर्चा करें।
10. निम्न का उत्तर दें :- क) लग्नेश की विभिन्न भावों में स्थिति के क्या फल होंगे?  
ख) अष्टमेष की विभिन्न भावों में स्थिति के क्या फल होंगे?